गतिविधि आधारित शिक्षण द्वारा विद्यार्थियों के स्वतंत्र रूप से सीखने के अवसरों का अध्ययन

सरिता बोबड़े*
मधुलिका वर्मा**

भारत का भविष्य कक्षाओं में निर्मित होता है, जिसमें स्वतंत्र रूप से शिक्षण अधिगम के अवसर मिलते हैं। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा—2005 की अनुशंसा और निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुरूप गतिविधि (ए.बी.एल.) आधारित अधिगम कार्यक्रम आरंभ किया गया था। यह शोध अध्ययन सर्वेक्षणात्मक था। इसमें इंदौर ज़िले के गतिविधि आधारित अधिगम द्वारा शिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों में स्वतंत्र रूप से सीखने के अवसरों का अध्ययन किया गया। उपकरण के रूप में अवलोकन मापनी का उपयोग किया गया, जिसमें गतिविधि आधारित अधिगम सामग्री से संबंधित 12 कथन बनाए गए थे। न्यादर्श में इंदौर ज़िले के सरकारी विद्यालयों में चल रहे गतिविधि आधारित शिक्षण के अंतर्गत अध्ययन करवा रहे विद्यालयों के कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लिया गया। अध्ययन से प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण प्रतिशतांक विधि से किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने गतिविधि आधारित अधिगम के विभिन्न लोगो (चिह्नों) के उपयोग पर 12.50 प्रतिशत ने हाँ पर एवं 87.50 प्रतिशत नहीं विकल्प पर सहमति दी। ड्रॉप बॉक्स का उपयोग वाले कथन पर 81.50 प्रतिशत ने हाँ पर एवं 18.50 प्रतिशत ने नहीं विकल्प पर सहमति दी। किट सामग्री का उपयोग पर 86 प्रतिशत ने हाँ विकल्प पर एवं 14 प्रतिशत ने नहीं पर सहमति दी। गतिविधि के दौरान स्वतंत्रता पर 82 प्रतिशत बच्चों ने सहमति व्यक्त की। शिक्षक सहयोग पर 85.50 प्रतिशत ने सहमति दी। माइलस्टोन का उपयोग करने की स्वतत्रंता पर 86.50 प्रतिशत तथा कक्षा में बात करने की स्वतंत्रता पर 93 प्रतिशत ने सहमति जताई। इस प्रकार, गतिविधि आधारित अधिगम पर औसतन 64 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सहमति व्यक्त की एवं 36 प्रतिशत ने असहमति व्यक्त की। अतः विद्यार्थियों के स्वतंत्र रूप से सीखने के अवसरों के संदर्भ में गतिविधि आधारित शिक्षण प्रभावी पाया गया।

प्रस्तावना

भारत का भविष्य तथा भाग्य कक्षा में निर्मित होता है। इसलिए, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एक मुख्य बिंदु है। इसके लिए शिक्षक द्वारा सतत रूप से प्रयास किए जा रहे हैं कि शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सुधारा जा सके (कोठारी आयोग, 1966)। प्रारंभिक शिक्षा के लोक-व्यापीकरण हेतु सर्व शिक्षा अभियान को आगे बढ़ाते हुए सबकी अपेक्षा है कि प्रत्येक बच्चे को

* पी.एच.डी. *शोधार्थी*, शिक्षा अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश 452 001
** *वरिष्ठ व्याख्याता*, शिक्षा अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश 452 001

Chapter 6.indd 67 7/3/2018 11:49:15 AM

सीखने के बेहतर अवसर और परिस्थितियाँ उपलब्ध हों, अनेक कारणों से प्रारंभिक कक्षाओं में दो या तीन शिक्षक कार्यरत हैं और उन्हें एक साथ एक ही समय में दो या दो से अधिक कक्षाओं का संचालन करना पड़ रहा है। अतः एक साथ इन कक्षाओं का संचालन करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण है, जिसका उचित समाधान करना हमारी आवश्यकता बन गई है। अतः निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधानों में भी प्राथमिक कक्षाओं में 30 बच्चों पर एक शिक्षक का प्रावधान किया गया है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005 की अनुसंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश में सन् 2008–09 में गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम का आरंभ किया गया था। विगत पाँच वर्षों के कक्षागत अनुभवों, शिक्षकों, बच्चों, पालकों, शिक्षाविदों, शोध निष्कर्षों से प्राप्त सुझावों एवं बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधानों के परिप्रेक्ष्य में प्रचलित गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम की समीक्षा करना आवश्यक प्रतीत हो गया था। बच्चों को गतिविधि आधारित शिक्षण के साथ मानसिक तनावरहित सतत एवं समग्र मूल्यांकन उपलब्ध कराया जाए, यह संभावनाएँ केवल गतिविधि आधारित अधिगम में सुनिश्चित की जा सकती हैं। इस अवधि में शिक्षक साथी बच्चों को रुचिपूर्ण व रोचक तरीके से गतिविधि आधारित शिक्षण करा सकेंगे, क्योंकि छोटी कक्षाओं में अध्ययनरत बच्चों के सीखने का स्तर, उनके सीखने की गति और सीखने की क्षमता में भी व्यापक अंतर होता है अर्थात् हम कह सकते हैं कि पृथक-पृथक विषय में प्रत्येक बच्चे की सीखने की गति और क्षमता भी पृथक-पृथक होती है।

भारत में गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण सात राज्यों पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान, बिहार, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में संचालित हो रहा है। मध्य प्रदेश के इंदौर ज़िले में यह 40 विद्यालयों में चल रहा है, जिसमें इंदौर ग्रामीण क्षेत्र में 20 विद्यालय एवं इंदौर शहर में 20 विद्यालय शामिल हैं।

गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण

गतिविधि द्वारा शिक्षण में विद्यार्थी पूर्ण रूप से सक्रिय होता है, साथ ही उसमें उसकी अधिकाधिक इंद्रियों का प्रयोग होता है, जिससे वह अधिक सीखता है और ज्ञान स्थायी हो जाता है। गतिविधि उसके ज्ञान को व्यावहारिक जीवन से जोड़ती है, इससे एक तरफ़ तो विद्यार्थी में उस विषय के प्रति नीरसता समाप्त हो जाती है, वहीं दूसरी ओर उसकी तर्कशक्ति का विकास होता है। उसकी क्रियाशीलता एवं सहभागिता बढ़ जाती है। इन सबका प्रभाव उसकी अधिगम क्षमता पर पड़ता है, जिससे उसकी अधिगम क्षमता का स्तर बढ़ जाता है।

गतिविधि आधारित शिक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी गुणों से संपन्न आदर्श मनुष्य का निर्माण करना है। क्योंकि गतिविधियों द्वारा शिक्षण करने से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सकता है।

गतिविधि शिक्षण की परिभाषा

एडोल्फ़ फेरेरे (1963) के शब्दों में, "क्रियाशील शिक्षण बालक की वास्तविक प्रकृति की सभी सर्वोत्तम बातों का विकास करने का प्रयास करता

है। इसकी परिभाषा कार्यक्रम शिक्षण विधि से निश्चित नहीं की जा सकती, इसमें गतिशिलता परिवर्तनीय है।"

गतिविधि शिक्षण में जे. सी. मोरीसन (1996) का नाम भी प्रसिद्ध है। इनके अनुसार, "इस शिक्षण कार्यक्रम में बहुत से कार्य किए जाते हैं, जिससे कि पाठ्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों को समाहित किया जा सके। इसमें बालक, शोध और हाव-भाव की गतिविधियों में तथा अपने कार्य क्षेत्र में अपनी प्रतिदिन की गतिविधियों की योजना बनाने में काम लेता है।"

गतिविधि आधारित अधिगम के घटक

गतिविधि आधारित शिक्षण कार्यक्रम में बच्चों को स्वतंत्र रूप से सीखने पर महत्व दिया गया है, इसलिए इस कार्यक्रम में सीखने के उद्देश्यों की प्राप्ति के सभी तत्वों को एक-दूसरे से कड़ियों के रूप में जुड़ना आवश्यक है तथा इनकी सामग्री के उपयोग को भी इतना आसान बनाना ज़रूरी है कि बच्चे स्वयं इनका उपयोग करना सीख सकें। इस कार्यक्रम में सभी घटकों को छोटे-छोटे मोतियों की माला के रूप में पिरोया गया है। गतिविधि आधारित शिक्षण में बच्चा सीखने की प्रक्रिया में क्रमबद्ध रूप से आगे बढ़ता जाता है।

गतिविधि आधारित अधिगम के घटकों के जुड़ने की प्रक्रिया

- **माइलस्टोन** — गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण कार्यक्रम में सीखने के उद्देश्यों को पाठ्यक्रम के अनुसार क्रमबद्ध रूप से कई चरणों में बाँटा गया है एवं प्रत्येक चरण को माइलस्टोन कहा गया है। इसमें बच्चे अनेक रोचक और आनंददायी गतिविधियों से सीखते हुए क्रमबद्ध रूप से आगे बढ़ते हैं।
- **लोगो (चिह्न)**—प्रत्येक माइलस्टोन में किसी एक विषय-वस्तु को सीखने के लिए कई अलग-अलग गतिविधियाँ दी गई हैं। हर एक गतिविधि को किसी एक प्रतीक चिह्न से दर्शाया गया है। प्रतीक चिह्न को लोगो कहा गया है। 'लोगो' यानी संकेत चिह्न परिवेक्षीय वस्तुओं पर आधारित है और बच्चे उनसे परिचित रहते हैं।
- **सीखने की सीढ़ी** — माइलस्टोन और लोगों को क्रमबद्ध रूप से बढ़ते क्रम में व्यवस्थित किया गया है, जिसे सीखने की सीढ़ी नाम दिया है। यह सीढ़ी बच्चों को क्रमवार गतिविधियों से सीखने के लिए निर्देशित करती है। लोगो को देखकर बच्चों के मन में अधिक तथ्यों को स्वयं करके सीखने की इच्छा बलवती होती है।
- **ड्रॉप बॉक्स** — गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को प्रोत्साहित किए जाने के लिए कई गतिविधियाँ दी गई हैं। प्रतिदिन विद्यालय में होने वाली गतिविधियों के साथ-साथ अपने घर, परिवार और समाज के बीच घटनाओं या संस्मरण के बारे में अपने विचार, अपनी बातें, अपने सुझाव लिखकर ड्रॉप बॉक्स में डाल सकते हैं। इस बॉक्स में बच्चे उपेक्षाओं और समस्याओं को भी लिखकर डाल सकते हैं।
- **किट सामग्री** — गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम में गतिविधियों पर आधारित सामग्री को गतिविधि आधारित अधिगम किट के रूप में प्राथमिक विद्यालयों को उपलब्ध कराया गया है। जिसमें इस सामग्री को रखा गया है

जैसे— कार्ड्स, शिक्षण अधिगम सामग्री, लोगो स्टीकर, समूह लोगो, सीखने की सीढ़ी, अभ्यास पुस्तिका, गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण, शिक्षक मार्गदशिका, पोस्टर्स आदि।

शोध का उद्देश्य

गतिविधि आधारित शिक्षण द्वारा कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों में स्वतंत्र रूप से सीखने के अवसरों का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना

गतिविधि आधारित शिक्षण द्वारा कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों में स्वतंत्र रूप से सीखने के अवसर प्राप्त हुए होंगे।

न्यादर्श

इस शोध अध्ययन का प्रकार सर्वेक्षणात्मक था। इस शोध कार्य में न्यादर्श के रूप में इंदौर ज़िले के सरकारी विद्यालयों में चल रहे गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण के अंतर्गत अध्ययन करवा रहे विद्यालयों के कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को लिया गया। जिसमें 10 विद्यालय ग्रामीण एवं 10 विद्यालय शहरी थे। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का सामाजिक-आर्थिक स्तर समान था और ये सभी निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों से संबंधित थे। विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। गतिविधि का माध्यम हिंदी भाषा था।

उपकरण

इस शोध अध्ययन में जिन आश्रित चरों का आकलन किया गया, उसमें गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता के अध्ययन हेतु स्वतंत्र सीखने के अवसर अवलोकन मापनी निर्मित की गई। अवलोकन मापनी में गतिविधि आधारित अधिगम सामग्री से संबंधित 12 कथन थे जो कि विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से संबंधित थे। इस अवलोकन मापनी को विद्यार्थियों द्वारा भरवाया गया। इसमें कोई समय सीमा नहीं दी गई थी एवं उत्तर एक लाइन में लिया गया।

प्रदत्त संकलन विधि

इस शोध अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में इंदौर ज़िले के गतिविधि आधारित अधिगम विधि द्वारा संचालित शासकीय प्राथमिक विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया।

न्यादर्श के रूप में 20 विद्यालयों का चयन किया गया, जिसमें से 10 शहरी एवं 10 ग्रामीण गतिविधि आधारित विद्यालय थे। न्यादर्श में विद्यालय के कक्षा पाँचवीं के समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लिया गया। न्यादर्श के लिए गतिविधि का माध्यम हिंदी रखा गया। शोध उपकरणों की सहायता से प्रदत्त एकत्रित किए गए। कार्य योजना का अनुसरण करते शोधार्थी द्वारा स्वयं विद्यालय जाकर अवलोकन किया गया। जिसमें माइलस्टोन लोगो, सीखने की सीढ़ी, ड्रॉप बॉक्स का अवलोकन किया गया।

सांख्यिकीय तकनीक

इस शोध अध्ययन में प्रदत्तों का विश्लेषण प्रतिशतांक विधि द्वारा किया गया।

परिणामों की विवेचना

इस शोध अध्ययन में गतिविधि आधारित शिक्षण की कक्षाओं के विद्यार्थियों को सीखने के स्वतंत्र

अवसरों की मापनी दी गई। मापनी से प्राप्त प्रदत्तों का परिणाम एवं विश्लेषण सारणी 1 के अनुसार दिया गया है।

प्रथम कथन—"सीढ़ी के कितने पद स्वयं बनाए हैं?" इस कथन के लिए 87.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प पर अपनी सहमति दी एवं 12.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प पर सहमति दी। अतः कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों ने "सीढ़ी" के पद स्वयं नहीं बनाए।

द्वितीय कथन—"लोगो का उपयोग किस प्रकार किया गया?" इस कथन के लिए 87.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प पर अपनी सहमति दी एवं 12.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ पर अपनी सहमति दी। अतः गतिविधि आधारित अधिगम में विद्यार्थियों ने "लोगो" गतिविधि का कम उपयोग किया।

तृतीय कथन—"ड्रॉप बॉक्स का उपयोग किस प्रकार किया गया?" इस कथन के लिए 81.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ पर सहमति दी एवं 18.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प पर सहमति दी। अतः गतिविधि आधारित अधिगम में विद्यार्थियों द्वारा "ड्रॉप बॉक्स" का उपयोग किया गया।

चतुर्थ कथन—"किट सामग्री का उपयोग किस प्रकार किया गया?" इस कथन पर 86 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ पर सहमति दी एवं 14 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प पर सहमति दी। अतः

सारणी 1—विद्यार्थियों में सीखने के स्वतंत्र अवसर अवलोकन मापनी से प्राप्त परिणाम

क्रमांक	कथन	प्रतिशत	
		हाँ	*नहीं*
1.	सीढ़ी के कितने पद स्वयं बनाए हैं?	12.50	87.50
2.	लोगो (चिह्न) का उपयोग किस प्रकार किया गया?	12.50	87.50
3.	ड्रॉप बॉक्स का उपयोग किस प्रकार किया गया?	81.50	18.50
4.	किट सामग्री का उपयोग किस प्रकार किया गया?	86.00	14.00
5.	गतिविधि के दौरान कितनी स्वतंत्रता प्रदान की गई?	82.00	18.00
6.	आपको स्वतंत्र रूप से सीखने के कितने अवसर मिलते हैं?	81.50	18.50
7.	क्या शिक्षक गतिविधियों के दौरान आप सभी की मदद कर पाते हैं?	85.50	14.50
8.	क्या अध्ययन कार्य प्रतिदिन निश्चित समय पर प्रारंभ होता है?	87.50	12.50
9.	क्या किट सामग्री आपको अपने पास रखने दी जाती है?	31.00	69.00
10.	क्या आपको अपनी इच्छा के अनुसार माइलस्टोन से अभ्यास करने की स्वतंत्रता है?	86.50	13.50
11.	क्या आपको अपनी रुचि के अनुसार (लोगो) का उपयोग करके पढ़ने की स्वतंत्रता है?	7.00	93.00
12.	क्या आपको कक्षा में अपनी बात कहने की स्वतंत्रता है?	96.00	4.00

गतिविधि आधारित अधिगम में किट सामग्री का उपयोग किया जाता है जो कि गतिविधि शिक्षण में सहायक सामग्री है।

पंचम कथन—"गतिविधि के दौरान कितनी स्वतंत्रता प्रदान की गई?" इस कथन पर 82 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प पर सहमति दी एवं 18 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प चुना। अतः गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण में विद्यार्थियों को गतिविधियों की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की जाती है जिससे विद्यार्थियों के अधिगम में वृद्धि होती है।

छठा कथन—"आपको स्वतंत्र रूप से सीखने के कितने स्वतंत्र अवसर मिलते हैं?" इस कथन पर 81.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प पर सहमति प्रदान की एवं 18.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प चुना। अतः गतिविधि शिक्षण में विद्यार्थियों को सीखने के अधिक-से-अधिक अवसर प्रदान किए जाते हैं। जिससे विद्यार्थियों में शिक्षण के प्रति रुचि बढ़ती है। अतः यह प्रभावी शिक्षण है।

सातवाँ कथन—"क्या शिक्षक गतिविधियों के दौरान आप सभी की मदद कर पाते हैं?" इस कथन में 85.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प पर सहमति प्रदान की एवं 14.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प चुना। अतः गतिविधि आधारित अधिगम विकल्प शिक्षण में शिक्षक सभी विद्यार्थियों की मदद करते हैं।

आठवाँ कथन—"क्या अध्ययन कार्य प्रतिदिन निश्चित समय पर प्रारंभ होता है?" इस कथन पर 87.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प पर सहमति दी एवं 12.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प चुना। अतः गतिविधि आधारित अधिगम में शिक्षण कार्य प्रतिदिन निश्चित समय पर शुरू हो जाता है।

नौवा कथन—"क्या किट सामग्री आपको अपने पास रखने दी जाती है?" इस कथन पर 69 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प पर सहमति दी एवं 31 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प चुना। अतः गतिविधि अधिगम में "किट सामग्री" विद्यार्थियों को अपने पास नहीं रखने दी जाती।

दसवाँ कथन—"क्या आपको अपनी इच्छानुसार 'माइलस्टोन' से अभ्यास की स्वतंत्रता है?" इस कथन पर 86.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प पर सहमति प्रदान की एवं 13.50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प चुना। अतः कहा जा सकता है कि गतिविधि शिक्षण में विद्यार्थियों को अपनी इच्छानुसार माइलस्टोन से अभ्यास की स्वतंत्रता दी जाती है।

ग्यारहवाँ कथन—"क्या आपको अपनी रुचि के अनुसार लोगो का उपयोग करके पढ़ने की स्वतंत्रता है?" इस कथन में 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प को चुना एवं 07 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प को चुना। अतः गतिविधि आधारित शिक्षण में विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार "लोगो" का उपयोग करके पढ़ने की स्वतंत्रता प्रदान नहीं की गई।

बारहवाँ कथन—"क्या आपको कक्षा में अपनी बात कहने की स्वतंत्रता है?" इस कथन में 96 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हाँ विकल्प का चयन किया एवं 4 प्रतिशत विद्यार्थियों ने नहीं विकल्प को चुना। अतः गतिविधि शिक्षण में विद्यार्थियों को अपनी

बात कहने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की जाती है। जिससे विद्यार्थियों में अपनी बातों को कहने की क्षमता बढ़ती है। अतः यह प्रभावी है।

गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण की प्रभावशीलता का अध्ययन विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया के संदर्भ में किया गया है। विद्यार्थियों में सीखने के स्वतंत्र अवसर अवलोकन मापनी के आधार पर अध्ययन किया गया। गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण में विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया के आधार पर परिणाम प्राप्त हुए, जिसमें हाँ का प्रतिशत 64.96 प्रतिशत पाया गया एवं नहीं का प्रतिशत 35.04 प्रतिशत पाया गया। अतः गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण सीखने के स्वतंत्र अवसरों के संदर्भ में विद्यार्थियों के लिए प्रभावी पाया गया अर्थात् विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया के आधार पर कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों को सीखने के स्वतंत्र अवसर प्राप्त हुए। अतः शोध अध्ययन की परिकल्पना सत्य साबित होती है।

निष्कर्ष

- विद्यार्थियों के सीखने के स्वतंत्र अवसर में "लोगो" एवं "माइलस्टोन" का कम उपयोग किया गया। अतः विद्यार्थियों को लोगो एवं माइलस्टोन उपयोग की जानकारी कम थी।
- विद्यार्थियों ने ड्रॉप बॉक्स एवं किट सामग्री का गतिविधि के दौरान स्वतंत्र रूप से सीखने में अच्छा उपयोग किया।
- गतिविधि शिक्षण में विद्यार्थियों को अपनी बात कहने की पूर्ण स्वतंत्रता एवं इच्छानुसार माइलस्टोन का उपयोग करके सीखने की स्वतंत्रता भी रहती है।
- गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण में समूह में गतिविधि के दौरान समय प्रबंधन एवं समूह बनाने में समस्या आती है।

शैक्षिक निहितार्थ

शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले समस्त व्यक्तियों के लिए वर्तमान शोध का महत्वपूर्ण उपयोग है। इस शोध से प्राप्त परिणामों का उपयोग कर पाठ्यपुस्तक लेखक, शिक्षक, विद्यार्थी और शोधार्थी मार्गदर्शन ले सकते हैं।

शिक्षक—अगर शिक्षक गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य करते हैं तो वे अपने विषय में अधिक से अधिक अधिगम उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

विद्यार्थी—विद्यार्थी किसी कठिन प्रकरण को गतिविधि आधारित अधिगम के माध्यम से सरलता से समझ सकते हैं।

शोधार्थी—शोधार्थी इस शोध अध्ययन के आधार पर अधिगमकर्ता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर विभिन्न विषयों के विभिन्न प्रकरणों की गतिविधियों का विकास कर सकते हैं।

संदर्भ

कापसे, वर्षा. 2012. कक्षा सातवीं के गणित विषय हेतु गतिविधि शिक्षण का विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि एवं विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया के संदर्भ में अध्ययन. *अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध*. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश.

गुप्त, राम बाबू. 1995. *भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ—मुदालियर कमीशन*. रतन प्रकाशन मंदिर, आगरा, उत्तर प्रदेश.

जहाँ, तबस्सुम. 1993. पूर्व-प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण स्तर पर क्रिया आधारित अनुदेशन की प्रभाविता का अध्ययन. *अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध*. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश.

जैन, शशिकला और पूर्णिमा पंडित. 2014. प्राथमिक शाला के गतिविधि आधारित अधिगम शिक्षण कार्यक्रम. ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीजलपुर, इंदौर, मध्य प्रदेश.

झालानी, एम. 2014. *मध्य प्रदेश गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम—शिक्षक मार्गदर्शिका*. राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल, मध्य प्रदेश.

बुच, एम.बी. 1983–1988. *फ़ॉर्थ सर्वे ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च*. वॉल्यूम 2, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली.

भारद्वाज, एस. और एम. कटारा. 2005. एक्टिविटी बेस्ड टीचिंग लर्निंग स्ट्रेटेजीस इन लार्ज क्लासरूम्स. *साइको लिंग्विस्टिक असोसिएशन ऑफ़ इंडिया*. वॉल्यूम 1, पृ. 70–76.

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्. 2005. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा—2005. एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली.

ललिथा, एम.एस. 1981. इफ़ेक्टिवनेस ऑफ़ ए स्ट्रेटजी ऑफ़ ट्रेनिंग फ़ॉर इंटीग्रेटिंग टीचिंग स्किल्स ऑन टीचिंग कंपीटेंस ऑफ़ स्टूडेंट टीचर्स. डिपार्टमेंट ऑफ़ पॉस्ट-ग्रेजुएट स्टडीज़ एंड रिसर्च इन एजुकेशन, मैसूर विश्वविद्यालय, इंडिया.

साहू, राकेश कुमार. 1996. कक्षा पाँचवीं के लिए पर्यावरणीय शिक्षा हेतु विज्ञान पाठ्यक्रम गतिविधि का विकास के संदर्भ में अध्ययन. *एम एड. अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध*. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश.

सिंह, नवनीत. 2013. कक्षा छठी के विद्यार्थियों हेतु विज्ञान विषय पर प्रदर्शन विधि एवं विकसित गतिविधियों की प्रभाविता का विज्ञान विषय में उपलब्धि एवं प्रदर्शन विधि के प्रति प्रतिक्रियाओं के आधार पर अध्ययन. *अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध*, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश.

हरिहरण, पी. 2005. इफ़ेक्टिवनेस ऑफ़ एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग मेथेडोलोजी फ़ॉर एलीमेंट्री स्कूल एजुकेशन. www.cry.org
http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/ncf_hindi_2005/ncf2005.pdf

नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन. 1986 http://www.ncert.nic.in/oth_anoun/npe86.pdf